श्री भैरव चालीसा

दोहा

श्री गणपति गुरु गौरि पद प्रेम सहित धरि माथ ।

चालीसा बन्दन करौं श्री शिव भैरवनाथ ॥

श्री भैरव संकट हरण मंगल करण कुपाल ।

श्याम वरण विकराल वपु लोचन लाल विशाल ॥

जय जय श्री काली के लाला । जयति जयति काशी-कुतवाला ॥

जयति बटुक-भैरव भय हारी । जयति काल-भैरव बलकारी ॥

जयति नाथ-भैरव विख्याता । जयति सर्व-भैरव सुखदाता ॥

भैरव रूप किमो शिव धारण । भव के भार उतारण कारण ॥

भैरव रव सुनि ह्ये भय दूरी । सब विधि होय कामना पूरी ॥

शेष महेश आदि गुण गायो । काशी-कोतवाल कहलायो ॥

जटा जूट शिर चंद्र विराजत । बाला मुकुट विजायठ साजत ॥

कठि करधनी घुँघरु वऱजत । दशरुन करत सकल भुय भऱजत ॥

जीवन दऱन दऱस कुऱ दीनुह्यऱ । कीनुह्यऱ कुपऱ नऱथ तव चीनुह्यऱ ॥

वसि रसनऱ वनि सऱरद-कऱली । दीनुह्यऱ वर रऱथ्यऱ मम लऱली ॥

धन्य धन्य तैरव भुय भंजन । जय मनरंजन खल दल भंजन ॥

कर त्रिशूल डमरु शुचि कुऱडऱ । कुपऱ कऱकऱश सुयश नहिं थऱडऱ ॥

जऱ तैरव निर्भय गुण गऱवत । अष्टसिद्धि नव निधि फल पऱवत ॥

रूप विशऱल कऱठिन दुख मुऱचन । क्रुऱध करऱल लऱल दुहुँ लऱचन ॥

अगणित भूत प्रेत संग डऱलत । वं वं वं शिव वं वं वऱलत ॥

रुद्रकऱय कऱली के लऱलऱ । मऱ कऱलहु के हुऱ कऱलऱ ॥

वऱुक नऱथ हुऱ कऱल गँधीरऱ । श्वेत रक्त अरु श्यऱम शरीरऱ ॥

करत नीनहुँ रूप प्रकऱशऱ । भरत सुभक्तुन कहुँ शुभ ऱऱशऱ ॥

करत कृपा जन पर बहू टंगगा । काशी कोतबाल अडबंगगा ॥

देयँ काल भैरव जव सोटा । नसै पाप मोटा से मोटा ॥

जनकर निर्मल होय शरीरा । मिटे सकल संकट भव पीरा ॥

श्री भैरव भूतोङ्के राजा । बाधा हरत करत शुभ काजा ॥

ऐलादी के दुःख निवारयो । सदा कृपाकरि काज संहारयो ॥

सुन्दर दास सहित अनुरागा । श्री दुर्वासा निकट प्रयागा ॥

श्री भैरव जी की जय लेख्यो । सकल कामना पूरण देख्यो ॥

दोहा

जय जय जय भैरव बटुक स्वामी संकट टार ।

कृपा दास पर कीजिए शंकर के अवतार ॥

आरती भैरव जी की

जय भैरव देवा प्रभु जय भैरव देवा ।

जय काली और गौरा देवी कृत सेवा ॥ जय ॥

तुम्ही पाप उद्धारक दुःख सिन्धु तारक ।

ভক্তোং কে সুখ কারক ভীষণ বপু ধারক ॥ জয় ॥
বাহন শ্বান বিরাজত কর ত্রিশূল ধারী ।
মহিমা অমিত তুম্হারী জয় জয় ভয়হারী ॥ জয় ॥
তুম বিন সেবা দেবা সফল নহীং হোবে ।
চৌমুখ দীপক দর্শন সবকা দুঃখ খোবে ॥ জয় ॥
তেল চটকি দধি মিশ্রিত ভাষাবলি তেরী ।
কৃপা করিয়ে ভৈরব করিয়ে নহীং দেরী ॥ জয় ॥
পাব ঘুংঘরু বাজত অরু ডমরু ডমকাবত ।
বটুকনাথ বন বালকজন মন হরষাবত ॥ জয় ॥
বটুকনাথ কী আরতী জো কোঈ নর গাবে ।
কহে ধরণীধর নর মনবাংছিত ফল পাবে ॥ জয় ॥

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated ত্oday

<http://sanskritdocuments.org>

Bhairava Chalisa Lyrics in Bengali PDF

% File name : bhairava40.itx

% Category : chAlisA

% Location : doc_z_otherlang_hindi

% Author : Sundaradasa

% Language : Hindi

% Subject : hinduism/religion

% Transliterated by : NA

% Proofread by : NA

% Description-comments : Devotional hymn to bhairava, of 40 verses

% Latest update : March 14, 2005

% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
% Site access : <http://sanskritdocuments.org>
%
% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study
% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of
% any website or individuals or for commercial purpose without permission.
% Please help to maintain respect for volunteer spirit.
%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.
Please check their sites later for improved versions of the texts.
This file should strictly be kept for personal use.
PDF file is generated [December 8, 2015] at Stotram Website